

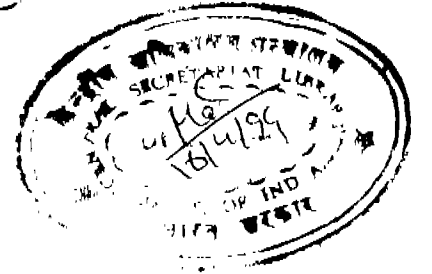


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 267]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 11, 1998/अग्रहायण 20, 1920

No. 267]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 11, 1998/AGRAHAYANA 20, 1920

वस्त्र मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

सार्वजनिक सूचना/प्रेस नोट

मुंबई, 16 नवम्बर, 1998

विषय :— देश में निर्मित आयातित वस्त्र जैसे टॉप्स यार्न एवं कपड़े के संबंध में वस्त्र (उपभोक्ता संरक्षण) विनियमन, 1988 के उपबंधों का प्रवर्तन।

सं. टीडीआरओ/सीएलबी/98/विविध/2.— वस्त्र उद्योग तथा व्यापार को यह ज्ञात है कि वस्त्र आयुक्त ने दिनांक : 07/03/88 को अधिसूचना सं. सी.ई.आर./18-सी.एल.बी./88 जारी की थी, जो कि वस्त्र (उपभोक्ता संरक्षण) विनियमन, 1988 (जिसे इसके बाद इसमें उक्त अधिसूचना कहा गया है) जिसे समझा जाए कि वह वस्त्र (विकास एवं विनियमन) आदेश 1993 के खण्ड-9 के तहत जारी किया गया, यह भारत सरकार के दिनांक : 26/06/93 के राजपत्र असाधारण भाग-I खण्ड-1 में प्रकाशित सार्वजनिक सूचना सं. टी.डी.आर.ओ./सी.एल.बी./93/विविध/1 दिनांक : 07/05/93 के संबंध में जारी आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 के तहत जारी आदेश के अंतर्गत किया गया। उक्त अधिसूचना उद्यमियों तथा व्यापारियों में दिनांक : 09/03/88 के पत्र सं. 02/03/87/सीएलबी द्वारा व्यापक रूप से परिचालित होने के साथ-साथ भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग-I, खण्ड-1 दिनांक : 08/03/88 में प्रकाशित हुई थी। उक्त अधिसूचना वस्त्र आयुक्त द्वारा भारत सरकार की ओर से औद्योगिक उपभोक्ताओं और साथ ही साथ आम जनसामान्य तथा वस्त्र व्यापार के हित में जारी की गई थी।

उक्त अधिसूचना में निहित उपबंध निदेश कानूनी उपबंध एवं निदेश हैं, इसलिए (ऊन) टॉप्स, यार्न कपड़ा/फैब्रिक के विनिर्माताओं, प्रोसेसरों को जिसमें हैड प्रोसेसर व्यापारी, थोक व्यापारी, अर्ध-थोक व्यापारी, कटाई और पैकिंग हाऊसेस, दुकान तथा प्रतिष्ठान धारक, फुटकर विक्रेता, स्टॉकिस्ट आदि शामिल हैं, और वे चाहे देश में विनिर्मित टॉप्स, यार्न, कपड़ा/अथवा आयातित टॉप्स, यार्न कपड़ा/फैब्रिक से संबंधित हो अथवा न हो को उक्त अधिसूचना में निहित उपबंधों तथा निदेशों का पालन करना आवश्यक है।

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार तथा वस्त्र मंत्रालय के प्रशासकीय नियंत्रण के अंतर्गत कानूनी निकाय वस्त्र समिति संयुक्त रूप से देश के विभिन्न भागों में समय-समय पर जन सामान्य, वस्त्र विनिर्माताओं, प्रोसेसरों व्यापारियों, थोक व्यापारियों, अर्ध-थोक व्यापारियों, कटिंग व पैकिंग हाऊसेस, दुकानों तथा प्रतिष्ठान धारकों, फुटकर विक्रेताओं, स्टॉकिस्टों आदि को उक्त अधिसूचना के उपबंधों तथा निदेशों की जानकारी एवं उसके अनुपालन/अनुसरण के लिए संगोष्ठियों, परिसेवाओं, आदि को आयोजित/संचालित कर रहे हैं।

उक्त अधिसूचना के जारी करने में भारत सरकार के उद्देश्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ऐसी संगोष्ठियों/परिसंवादों के दौरान टॉप्स, यार्न और कपड़ा/फैब्रिक उपभोक्ताओं तथा जनसामान्य व्यापारियों आदि के हित के लिए इसमें भाग लेने वाले उद्यमियों, व्यापारियों, औद्योगिक एवं व्यापारिक संगठनों एवं समितियों के प्रतिनिधियों, वस्त्र उपभोक्ताओं एवं जनसामान्य के बीच उक्त अधिसूचना के संबंध में 'क्या करें' और 'क्या न करें' संबंधी पत्रक भी परिचालित किए जाते हैं।

इसके व्यापक प्रचार के लिए उन्हें स्थानिय दैनिक समाचार पत्रों में भी संवाददाताओं द्वारा प्रकाशित किया गया।

वस्त्र आयुक्त के दिनांक: 22/07/1998 को जारी सार्वजनिक सूचना सं0टीडीआरओ/सीएलबी/98/विविध/1 की है, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि उक्त अधिसूचना में निहित उपबंध एवं निदेश आयतित वस्त्रों जैसे :- टॉप्स, यार्न, एवं फैब्रिक/कपड़ों के संबंध में भी लागू होंगे।

तथापि वस्त्र आयुक्त कार्यालय को इस बात की सूचना मिली है कि विनिर्माता, प्रोसेस्सर्स, (पावर प्रोसेस्सर्स एवं हैण्ड प्रोसेस्सर्स) कुछ व्यापारी, थोक व्यापारी, अर्ध-थोक व्यापारी, कटींग तथा पैकिंग हाऊसेस, दुकानों तथा फुटकर विक्रेताओं तथा स्टॉकिस्टों आदि द्वारा अभी-भी उक्त अधिसूचना में निहित उपबंधों/निदेशों का पूर्ण रूप से अनुसरण/अनुपालन नहीं किया जा रहा है।

सभी संबंधितों को एक बार पुनः निर्देश दिया जाता है कि चाहे वे टॉप्स, यार्न कपड़ा/फैब्रिक का विनिर्माण अथवा आयात करते हों अथवा देश में निर्मित टॉप्स, यार्न कपड़ा/फैब्रिक से संबंधित हों अथवा आयातित से संबंधित हों उनको भी उक्त अधिसूचना दिनांक: 07/03/98 निहित उपबंधों तथा निदेशों का अनुपालन/अनुसरण करना आवश्यक है।

उक्त अधिसूचना में निहित उपबंध तथा निदेशों का उल्लंघन अथवा पालन न करना अथवा आंशिक रूप से पालन करना आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 उसी तरह वस्त्र(उपभोक्ता संरक्षण) विनियमन, 1988 में निहित संबंधित उपबंधों तथा निदेशों के उल्लंघन की कोटि में आएगा, क्योंकि उक्त अधिसूचना वस्त्र आयुक्त ने भारत सरकार के आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के खण्ड-3 के अधीन जारी आदेश वस्त्र(विकास तथा विनियमन) आदेश, 1993 की खण्ड-9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जारी की है।

अतः टॉप्स, यार्न तथा फैब्रिक/कपड़ा, जिनपर उक्त अधिसूचना में बताई गई कानूनी मार्किंग

नहीं हो और टॉप्सु, यान तथा फैब्रिक/कपड़ा, जो आंशिक/अपूर्ण मार्किंग, त्रुटिपूर्ण मार्किंग, भ्रामक बनावट मार्किंग, अशुद्ध मार्किंग, अपठनीय मार्किंग और कूटकृत माल/मार्किंग, (अर्थात् नियम का उल्लंघन किया हुआ माल है) आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3 के उपबंधों के अंतर्गत जप्त किया जाएगा तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा-6-क के तहत जिलाअधिकारी को उल्लंघनकृत माल की सूचना दी जायेगी। इसके अतिरिक्त आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के खण्ड-3 की उप-धारा 2(जे) में प्रावधान किया गया है कि किसी दुर्घटना एवं संबंधित मामले में विशेषतः प्रवेश, परिसर, हवाई जहाजों, जहाजों, वाहनों अथवा अन्य परिवहन एवं पशुओं की तलाशी तथा उनमें प्रवेश प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा जप्ती एवं प्रवेश, जप्ती, तलाशी, जाँच जिसमें :-

1. किसी भी वस्तु, जिसके संबंध में उस व्यक्ति को विश्वास करने का कारण है कि आदेश का उल्लंघन किया गया है, हो रहा है अथवा होने वाला है तथा कोई पैकेज, कव्हरिंग अथवा धारक जिसमें ऐसी वस्तुएं पाई गई।
2. यदि ऐसे व्यक्ति को विश्वास का कारण है कि इस तरह के हवाई जहाज, जहाज वाहन अथवा अन्य परिवहन अथवा पशु जिनका उपयोग सामानों के वहन हेतु किया जा सकता है को भी इस अधिनियम के उपबंधों के अधीन जप्त करने का अधिकार है।
3. यदि उस व्यक्ति के विचार में इस अधिनियम के अधीन किसी कार्यवाही से संबंधित अथवा उपयोगी कोई लेखा पुस्तिका और दस्तावेज हैं तथा ऐसी लेखा -पुस्तिका अथवा दस्तावेज जिस व्यक्ति की अभिरक्षा से जप्त हो रहे हैं, उस अधिकारी की उपस्थिति में, जो ऐसी लेखा पुस्तिका अथवा दस्तावेजों की अभिरक्षा करता है, उसकी प्रतियाँ बनाने का अथवा उससे सार लेने का अधिकारी होगा।

तदनुसार नियम का उल्लंघन किया गया माल (टॉप्सु, यार्न, कपड़ा/फैब्रिक) के वहन हेतु उपयोग किए गए पशु, वाहन, जहाज अथवा अन्य परिवहन के साधन और उसके साथ ही उल्लंघन किया गया माल जिसके जप्ती की सूचना जिलाअधिकारी को दी गई हो, को भी जप्त करने का अधिकार होगा। धारा 6-क के अधीन प्रदत्त अधिकारों को प्रयोग करते हुए जिलाअधिकारी निम्नलिखित के अधिहरण के लिए आदेश दे सकता है :-

- क) इस प्रकार जप्त किया गया उल्लंघनकृत माल,
- ख) कोई भी पैकेज, कव्हरिंग या धारक जिनमें ऐसे नियम का उल्लंघन किया गया माल पाया गया हो, —
- ग) ऐसे उल्लंघन किए गए माल के वहन हेतु उपयोग में लाए गए पशु, वाहन, जहाज अथवा अन्य परिवहन के साधन भी इसमें शामिल हैं।

इसके साथ ही आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 7 एवं 10 के अनुसार व्यक्ति और कंपनी, जिसमें इसके निदेशक, प्रबंधक, सचिव और अन्य अधिकारी शामिल हैं, उपर्युक्त अपराध/उल्लंघन के दोषी होने पर अभियोजित किए जाने के पात्र होंगे।

तदनुसार जब कभी वस्त्र आयुक्त कार्यालय तथा/अथवा इससे संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय को उक्त अधिसूचना के प्रथम दृष्टया अपराध/उल्लंघन का पता चले, नियम का उल्लंघन करके तैयार किया गया माल (टाप्सु, यार्न और कपड़ा/फैब्रिक) तथा इसका वाहक यदि कोई हो, पंचनामा के अधीन जप्त किया जायेगा। अगली कार्रवाई के लिए आवश्यक समझा जाने वाला वचनबद्धता पत्र, दस्तावेज, सूचना भी प्राप्त की जा सकती है तथा/अथवा संबंधित व्यक्ति को उसे उचित अवधि में प्रस्तुत करने का निदेश दिया जायेगा तथा जिला अधिकारी को उल्लंघन करके तैयार किया गया माल और उसके वाहक के अधिहरण की सूचना दी जायेगी।

तत्पश्चात् सक्षम पुलिस प्राधिकारी के समक्ष अपराधी(उपरोक्त) को अभियोजित करने के लिए प्रथम सूचना रिपोर्ट दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 154 सपठित आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा-11 के अंतर्गत दर्ज की जायेगी अथवा समुचित न्यायालय के समक्ष अपराधी(उपरोक्त) सीधे ही अभियोजित करने का अनुरोध अभियोजन पक्ष को सुने जाने का मौका देते हुए किया जायेगा।

ऐसे पक्षकार/पक्षकारों की सुनवाई वस्त्र आयुक्त द्वारा गठित अधिकारियों की समिति जिसे वस्त्र उपभोक्ता संरक्षण समिति कहा जायेगा के समक्ष होगी।

सभी संबंधितों द्वारा उक्त अधिसूचना में निहित उपबंधों तथा निदेशों के अनुपालन को देखने के लिए वस्त्र आयुक्त कार्यालय तथा इसके क्षेत्रीय कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा टाप्सु, यार्न, कपड़ा/फैब्रिक यदृच्छया गुणवत्ता का स्तर तथा तकनीकी स्तर जो कि टाप्सु, यार्न, कपड़ा/फैब्रिक पर बताया गया है, की जाँच करने के लिए नमूने भी इकट्ठा किए जा रहे हैं। यदि जाँच परिणाम सहाय सीमा के अंतर्गत है, तो सील किए हुए इकाई, दुकानदार, स्टॉकिस्ट, थोक व्यापारी, अर्ध-थोक व्यापारी फुटेकर विक्रेता जैसे भी स्थिति हो, आदि की अभिरक्षा में सुरक्षित रखी हुए प्रतिबिधि नमूने छोड़ दिए जायेंगे। यदि गुणवत्ता स्तर, तकनीकी स्तर आदि के घोषित तथा वास्तविक जाँच परिणामों के बीच सहाय सीमा से अधिक अंतर पाया जाता है तो पूर्ववर्ती पैरा में उल्लिखित कानूनी उपबंधों के अनुसार अपराधियों को अभियोजित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई निम्नलिखित मार्गदर्शकों/निदेशों के अनुसार की जायेगी :-

जहां पर प्रथम दृष्टया अपराध/उल्लंघन नहीं पाया गया हो, केवल टाप्सु, यार्न कपड़े का नमूना (नमूने) उस स्थिति के अनुसार पंचनामा वचनबद्धता पत्र के अंतर्गत नमूना(नमूनों) की संख्या

उसकी कुल मात्रा तथा निरीक्षण/दौर के दिन (पहला निरीक्षण) प्रत्येक लॉट में मिलने वाले टॉप्स, यार्न, कपड़ा/फैब्रिक की अनुमानित किन्तु उचित बाजार किंमत/मूल्य पैकेज, बेल, रोल, टका, बंडल इत्यादि जिससे प्रतिनिधि नमूने लिए गए हैं/लिया गया है, संबंधित व्यक्ति, इकाई, दुकानदार, अर्ध थोक व्यापारी, स्टॉकिस्ट, थोक व्यापारी/फुटकर विक्रेता, आदि जैसा भी मामला हो से प्राप्त किया जायेगा।

आगे की कार्यवाही के लिए जो अन्य कोई वचनबद्धता पत्र, दस्तावेज, सूचना जो आवश्यक समझी जाए को भी उचित समयावधि (आवश्यक जानकारी, दस्तावेज आदि को देने/जमा करने की सूचना मिलने के 10 दिन के भीतर) को भी प्राप्त करने तथा/अथवा संबंधित को प्रस्तुत करने के लिए निदेश दिया जा सकता है। तत्पश्चात प्राप्त नमूना(नमूने) निर्दिष्ट प्रयोगशाला को यथाशीघ्र जाँच के लिए (जिसके लिये पहले ही वस्त्र आयुक्त के क्षेत्रीय कार्यालय को निदेश जारी किए जा चुके हैं) भेज दिया जाएगा। जाँच परिणाम प्राप्त होने के पश्चात यदि कोई गुणवत्ता स्तर तथा तकनीकी स्तर में सह्य सीमा के अधिक अंतर पाया गया या ज्ञात हुआ तो उक्त उल्लंघन/अपराध का मामला प्रथम सूचना रिपोर्ट/अभियोजन आदि के लिए वस्त्र उपभोक्ता संरक्षण समिति के पास उनके सुझाव के लिए भेज दिया जायेगा तथा इकाई/दुकान, गोडाऊन/विक्री परिसर आदि जहाँ से भी उक्त नमूना (नमूने) पहले निरीक्षण के दौरान प्राप्त किया गया/किए गए, उनका पुनः निरीक्षण/पुनः दौरा (द्वितीय निरीक्षण) जाँच परिणाम/रिपोर्ट प्राप्त होने के उचित समयावधि में बचे हुए या जिसकी त्रिकी न की गई हो वे उल्लंघनकृत/अपराधकृत, टॉप्स, यार्न, कपड़ा/फैब्रिक यदि कोई लॉट, पैकेज, बेल, रोल, टका, बंडल जैसा भी मामला हो जिससे नमूना (नमूने) पहले निरीक्षण के दौरान प्राप्त किए गये थे/उल्लंघन ज्ञात हुआ था को जप्त कर लिया जायेगा। ऐसे अधिकत्तर मामलों में (द्वितीय दौर के दौरान) अपराध/उल्लंघन किया हुआ टॉप्स, यार्न, कपड़ा/फैब्रिक जप्ती के लिए उपलब्ध नहीं हो अथवा अपराध/किए हुए टॉप्स, यार्न, कपड़ा/फैब्रिक की आंशिक मात्रा ही जप्ती के लिए उपलब्ध हो और द्वितीय निरीक्षण के दौरान उक्त उल्लंघनकृत/मास अथवा उल्लंघन किए हुए टॉप्स, यार्न, कपड़ा/फैब्रिक चाहे उपभोक्ता/आमजनता/जनसामान्य को चाहे पूरी तरह से या आंशिक रूप से बेचा जा चुका हो, तथापि पुनर्निरीक्षण का दल (द्वितीय निरीक्षण का दल) मौके की रिपोर्ट, जप्ती की रिपोर्ट पंचनामा तथा वचनबद्धता आदि के साथ बना सकते हैं जैसा कि ऊपर विवरण दिया है और उल्लंघनकृत/अपराधकृत टॉप्स, यार्न, कपड़ा/फैब्रिक यदि कोई द्वितीय दौर निरीक्षण के दौरान जप्त किए गए हों, तो इससे संबंधित रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेजी जायेगी। जिलाधिकारी को भेजी जाने वाली रिपोर्ट में पहले तथा द्वितीय निरीक्षण के दौरान पाए गए स्टॉक का विवरण तथा टॉप्स, यार्न, कपड़ा/फैब्रिक आदि का मूल्य इस अनुरोध के साथ होगा कि वे अपना आदेश अनुचित समृद्धि को ध्यान में रखते हुए पारित करेंगे। आगे, प्रथम सूचना रिपोर्ट देते समय या सीधे

अभियोजन करने आदि के समय वस्त्र उपभोक्ता संरक्षण समिति के अनुशंसा पर आधारित स्टॉक का विवरण एवं टॉप्स, यार्न, कपड़ा/फैब्रिक का मूल्य जो कि पहले और द्वितीय निरीक्षण के दौरान उपलब्ध था, का भी उल्लेख भी होगा साथ ही इस बात का भी अनुरोध होगा कि उपभोक्ता/आमजनता/जनसामान्य को बेचे गए अपराध/उल्लंघन करके तैयार किये गए टॉप्स, यार्न, कपड़ा/फैब्रिक की मात्रा तथा अनुचित तरीके से प्राप्त समृद्धि को ध्यान में रखते हुए कानून के अंतर्गत अपराधियों को अभियोजित करने के अलावा शास्ति जारी करें।

सभी संबंधितों को (जैसे मिलों, इकाईयों, दुकानों, दुकानदारों, स्टॉकिस्टों, थोक विक्रेताओं, अर्धथोक विक्रेताओं, फुटकर विक्रेताओं, निर्यातकों आदि) वस्त्र आयुक्त कार्यालय के निरीक्षक के समक्ष टॉप्स, यार्न, कपड़ा/फैब्रिक दस्तावेज, सूचनाएं आदि देनी/जमा करनी होंगी तथा /अथवा वस्त्र आयुक्त के क्षेत्रीय कार्यालय के निरीक्षण के समक्ष अपेक्षित वचनबद्धता पत्र आदि जाँच के लिए देना होगा।

वस्त्र आयुक्त के कार्यालय के मुख्यालय के निदेशक(प्रवर्तन) जो वस्त्र उपभोक्ता संरक्षण समिति के भी सदस्य सचिव हैं, सभी संबंधितों द्वारा उपर्युक्त निदेशों का अनुपालन भी सुनिश्चित करेंगे।

सभी उपभोक्ताओं तथा जनसामान्य के हित के लिए टॉप्स, यार्न, कपड़ा/फैब्रिक पर मार्किंग उक्त अधिसूचना के अनुसार निम्नोक्त होंगे :-

1. टॉप्स पर अंकन :- टॉप्स के प्रत्येक पैकेज की बाहरी और सुरक्षित रूप से चिपकाए गए पेपर लेबिल पर निम्न अंकन किया जायेगा :-

- क) निर्माता का नाम एवं पता
- ख) किलोग्राम में शुद्ध भार,
- ग) रेशे की लम्बाई (मिलीमीटर में) माईक्रान, ऊनी टॉप्स के मामले में,
- घ) संमिश्र टॉप्स के मामले में 'संमिश्र टॉप्स' इन शब्दों के बाद पैक किए गए टॉप्स में मौजूद विभिन्न प्रकार के प्रत्येक रेशे के स्टैंडर्ड माईश्वर रीगेन समेत ठीक प्रतिशत :-

ऊन -- 45%

पांलिएस्टर -- 40%

विस्कोज -- 15%

2. कते हुए यार्न पर अंकन :- कते हुए धागे के मामले में निर्माता द्वारा भारत में बिक्री के यार्न के बंडल/पैकेज पर सुरक्षित रूप से चिपकाए या लगाए कागज के लेबिल पर निम्न अंकन किया जाएगा :-

- क) उत्पादक का नाम एवं पता ,
- ख) एक रेशे से कता हुआ हो तो ' सूती धागा ' पॉलिएस्टर कता हुआ धागा ' विस्कोज कता हुआ धागा ' आदि ये शब्द तथा ऊनी धागे के मामले में 'ऊनी वर्स्टेड धागा' 'ऊनी सेमी वर्स्टेड धागे ' 'ऊनी शॉर्टी धागे ' 'ऊनी हैन्ड निटिंग धागे ' आदि जैसा भी सामिला हो ,
- ग) जब धागे के निर्माण में दो या अधिक धागों का प्रयोग हुआ हो तो ' समिश्र कते हुए धागे ' ये शब्द जिनके साथ प्रत्येक रेशे का प्रजातिगत नाम तथा उसका धागे में सही प्रतिशत जैसे नीचे वर्णित है :-

'समिश्र कते हुए धागे '

 सूत -- 60%
 पॉलिएस्टर -- 40%
 या
 पॉलिएस्टर -- 40%
 सूत -- 38%
 विस्कोज -- 22%
 या
 ऊन -- 45%
 पॉलिएस्टर -- 40%
 विस्कोज -- 15%

परन्तु जब किसी भी रेशे का प्रतिशत धागे में होने वाले कुल रेशे के में 2% से कम है तो ऐसे रेशे का प्रतिशत अंकित करने की आवश्यकता नहीं है ।

- घ) जहां कहीं लागू हो फोल्ड एवं प्लाईज समेत यार्न का काउंट ,
- ड) सूती धागे एवं मानव-निर्मित रेशे के कते हुए धागे के संबंध में सी.एस.पी. मूल्य ,
- च) किलोग्राम में शुद्ध भार ,
- छ) पैकिंग का माह एवं वर्ष ,

टिप्पणी :- (क) यदि धागा कपास या मानव-निर्मित रेशे से कता हुआ हो तो यार्न का काउंट अंग्रेजी में दर्शाया जायेगा तथा ऊनी धागे के मामले में मेट्रिक काउंट में दर्शाया जायेगा ।

(ख) कोन के धागे के मामले में उपरोक्तानुसार विहित अंकनवाला लेबिल कोन की भीतरी ओर चिपकाया जाए तथा बीम पर होने वाले यार्न के मामले में अंकन का लेबिल सुरक्षित रूप से बीम को बांधा जाए। कोन पर होने वाले शॉडी ऊनी धागे के मामले में ऐसा लेबिल कोन की बाहरी ओर भी चिपकाया जा सकता है।

3. मानव-निर्मित निरंतर (फिलामेंट) धागों पर अंकन :- निम्न अंकन निर्माता द्वारा भारत में बिक्री के मानव-निर्मित निरंतर फिलामेंट यार्न के बंडल/पैकेज पर कागज के लेबिल पर सुरक्षित रूप से चिपकाए या संलग्न किए जाए :-

- क) निर्माता का नाम एवं पता ,
- ख) पैकेज में होने वाले यार्न का शुद्ध वजन किलोग्राम में ,
- ग) फिलामेंट की संख्या सहित धागे का डेनियार तथा प्रति मीटर घुमाव(ट्रिक्स्ट) जिसके साथ 'फिलामेंट यार्न' और उसके प्रजातिगत नाम, जैसे कि 'पोलिएस्टर' 'विस्कोज' 'नाईलान' या 'एक्रिलिक' आदि जैसे नीचे वर्णित।

'पोलिएस्टर फिलामेंट यार्न' -- 40/12/600

टिप्पणी :- कोन/काँप पर होने वाले मानव-निर्मित फिलामेंट यार्न के संबंध में उपरोक्त मद (बी) के अनुसार किलोग्राम में शुद्ध भार सिर्फ प्रत्येक कार्टनपर ही अंकित किया जाये न कि प्रत्येक कोन/काँप पर

4. कपड़े पर अंकन :- अनियंत्रित कपड़े के प्रत्येक टुकड़े की ऊपरी तह पर निम्न अंकन किया जायेगा :-

- क) निर्माता एवं निर्माण के लिए कारण बने हुए व्यक्ति का नाम एवं पता।
- ख) कपड़े का वर्णन उदाहरणार्थ 'धोती', 'साड़ी', 'शर्टिंग' 'सूटिंग'।
- ग) कपड़े की सार्ट संख्या।
- घ) लंबाई मीटर में एवं चौड़ाई 'सेंटी मीटर' में।
- ङ) 'साधारण धुलाई के लिए पक्का' या 'साधारण धुलाई के लिए पक्का नहीं' जो भी मामला हो, 'प्रीशंक' या 'मर्सराइज्ड' या कोई अन्य पद्धति जो भी मामला हो।
- च) जब कपड़ा 'सैकड्स' या 'अतिग्रस्त टुकड़ा'/दोषपूर्ण कपड़ा ' या जो कोई भी मामला हो में वर्गीकृत किया हो तो 'सैकड्स' या 'अतिग्रस्त टुकड़ा' /दोषपूर्ण टुकड़ा ' ये शब्द
- छ) मानव-निर्मित रेशों से या फिलामेंट धागे से बने कपड़े पर 'से बना' जिसके बाद 'स्पन x स्पन' या 'फिलामेंट x फिलामेंट' 'स्पन x फिलामेंट' ये शब्द।

- ज) पैकिंग का माह एवं वर्ष ,
- झ) कपड़े की ठीक बनावट जो ताना और बाना दोनों इकट्ठा कराकर धागे की कुल मात्रा में होने वाले एक-एक का वजन के अनुसार प्रतिशत जैसे कि नीचे वर्णित है :-

| | | | |
|-----|-----------|----|------|
| (1) | पॉलिएस्टर | -- | 100% |
| | या | -- | |
| | सूत | -- | 100% |
| | या | -- | |
| | विस्कोज | -- | 100% |

- (दो) समिश्र कपड़े के मामले में समिश्र वस्त्र इन शब्दों के बाद प्रत्येक संबन्धक का प्रजातिगत नाम तथा उतरते हुए क्रम में उसका वजनानुसार सही प्रतिशत जैसे नीचे वर्णित है :-

' समिश्र वस्त्र '

| | | |
|-----------|----|-----|
| पॉलिस्टर | -- | 40% |
| सूत | -- | 38% |
| विस्कोज | -- | 22% |
| या | -- | |
| सूत | -- | 60% |
| पॉलिएस्टर | -- | 40% |
| या | -- | |
| ऊन | -- | 40% |
| पॉलिएस्टर | -- | 38% |
| विस्कोज | -- | 22% |

टिप्पणी :-

- (एक) शॉडी ऊनी कम्बलों के संबंध में ऊन की न्यूनतम मात्रा अंकित की जायेगी ।
- (दो) जब किसी भी रेशे का प्रतिशत समिश्र वस्त्र में होने वाले रेशे की कुल मात्रा के 2% से कम हो तो ऐसे रेशे का प्रतिशत अंकित करने की आवश्यकता नहीं है ।
- (तीन) उपरोक्त मद(बन्ध) तथा(अंश) जैसा अंकन कपड़े के प्रत्येक एकांतर मीटर पर किनारे से 2.5 सें.मी. तक की लंबाई पर किया जायेगा ।

5. **एम्ब्रायडरी (जरदोजी) :-** किए हुए कपड़े में उठा कपड़ा जो सूईयों, जालीदार कपड़ा, तौलिए, सजावट के वस्त्र टेपेस्ट्री कपड़े, जेकार्ड, कपड़े, काड्रॉय कपड़ा, ऊनी सूट पीसलेन्थ, रुमाल, रेज्ड

कम्बल, चद्दर तथा लिंट कपड़े से ज्यादा धागों से बने हुए डिजाइन से सजाए गए कपड़े के मामले में इस अधिसूचना में विहित अंकन या तो ऐसे कपड़े की ऊपरी तह पर या सुरक्षित रूप से चिपकाए गए कागज या कपड़े के ऐसे टुकड़े पर या ऐसे कपड़े से सुरक्षित ढंग से सिलाए गए कपड़े के टुकड़े पर किया जायेगा ।

6. गांठो या दूसरे पैकेजों पर अंकन :- निम्न अंकन प्रत्येक गांठ पर , लकड़े के बक्से पर या कपड़ा या धागे के दूसरे पैकेज पर यहां दी गई पद्धति के अनुसार किया जायेगा । :-

क) निर्माता का नाम ,

ख) पैकिंग का माह एवं वर्ष ,

ग) ऐसी गांठो के पूर्ण कंटेंट का सही वर्णन करने वाले 'कोरा' या 'विरजित' या 'रंगीन' शब्द,
टिप्पणी :- ऐसे अंकों के संदर्भ में 'कोरा' कपड़ा तथा 'विरजित' कपड़ा से तात्पर्य केवल रंगीन धारियों एवं शीशेवाली साड़ियाँ, धोतियाँ अन्य कपड़े समेत प्रत्येक वर्णन का क्रमानुसार कोरा तथा विरजित कपड़ा, छपा हुआ कपड़ा तथा कपड़ा जो पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से डाय किए हुए धागे से बने हो तथा उसमें कोरी या ब्लिचड साड़ियाँ, तौलिये या केवल रंगीन धारियाँ एवं शीशेवाला अन्य कपड़ा ।

घ) 'चिंदीज', 'रैगज', 'फेन्टस्', 'सेकन्डस्' या क्षतिग्रस्त टुकड़े/दोषपूर्ण टुकड़े जो भी मामला हो।

ड) जब गांठ या पैकेज में धागा हो :-

(एक) निर्माता का नाम ,

(दो) धागे का काउंट ,

(तीन) पैकिंग का माह एवं वर्ष ,

(चार) किलोग्राम में कुल वजन ,

इसके अतिरिक्त, उक्त अधिसूचना के उपबंधों तथा निदेशों के अनुसार कोई भी व्यक्ति गलत/भ्रामक मार्किंग किए हुए या कानूनी मार्किंग के बिना अथवा उक्त अधिसूचना के उल्लंघन में टांप्स, यार्न, कपड़ा/फैब्रिक बिक्री के लिए प्रस्तावित तथा संग्रहित नहीं करेगा ।

MINISTRY OF TEXTILES
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER
PUBLIC NOTICE/PRESS NOTE

Mumbai, the 16th November, 1998

Sub. : Enforcement of provisions of the Textiles (Consumer Protection) Regulation, 1988, in respect of indigenously manufactured and imported textiles, namely tops, yarn and cloth.

No. : TDRO/CLB/98/Misc/2.—The Textile Industry and trade are aware that the Textile Commissioner had issued a Notification No. CER/18/88/CLB, dated 7-3-88, called the Textiles (Consumer Protection) Regulation, 1988 (hereinafter referred to as the said notification), which is deemed to have been issued under clause-9 of the Textiles (Development & Regulation) Order, 1993 (an order issued under section 3 of the Essential Commodities Act, 1955), in terms of Public Notice No. TDRO/CLB/93/Misc./1, dated 7-5-93, published in the Gazette of India Extraordinary Part-I, Section-1, dated 26-6-93. The said notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-I Section-1, dated 8-3-88 besides wider circulation amongst industry and trade through letter No. 2/3/87-CLB, dated 9-3-88. The said notification was issued by the Textile Commissioner on behalf of the Government of India in the interest of industrial consumers as well as common masses/general public and the textile trade.

The provisions and directions contained in the said Notification are statutory provisions and directions and therefore, it is mandatory on the part of the (wool) tops, yarn and cloth/fabric manufacturers, processors including hand processors, traders, wholesalers, semi-wholesalers, cutting and packing houses, shops and establishment holders, retailers and stockists, etc. to comply with the provisions and the directions contained in the said notification, irrespective of whether they deal with indigenously manufactured tops, yarn, cloth or imported tops, yarn, cloth/fabric.

The office of the Textile Commissioner, Ministry of Textiles, Government of India and the office of the Textiles Committee, a statutory body under the administrative control of the Ministry of Textiles, are jointly organising/conducting seminars, symposia, etc. in various parts of the country from time to time in order to make the general public, textile manufacturers, processors, traders, wholesalers, semi-wholesalers, cutting and packing

houses, shops and establishment holders, retailers and stockists, etc. to be aware of and comply with/ follow the provisions and directions of the said notification. During such seminars and symposia, etc., for the benefit of tops, yarn and cloth/fabric consumers and the general public, traders, etc. the 'DOs' and 'DONOTs' with respect to the said notification are also circulated amongst the participants, namely industrialists, traders, representatives of industrial and traders' associations/federations, Textiles Consumers and general public etc. in order to ensure that the objectives of the Government of India in issuing the said notification are fulfilled. These aspects have also been published in the daily newspapers by the Press Reporters of the concerned newspapers in order to ensure wider publicity.

The Textile Commissioner has also issued a Public Notice No.TDRO/CLB/98/Misc./1, dated 22.7.'98, clarifying therein that the provisions and directions contained in the said notification are also applicable in respect of the imported textiles, i.e. tops, yarn and fabric/cloth.

However, it has been noticed by the office of the Textile Commissioner that a number of manufacturers, processors (power- and hand- processors), traders, wholesalers, semi-wholesalers, cutting and packing houses, shops and establishment holders, retailers and stockists, etc. are still not following/complying fully with the provisions/directions contained in the said notification.

It is once again hereby directed to all concerned that the provisions and directions contained in the said notification, dated 7.3.'88, should be complied with/ followed by all concerned, irrespective of whether they manufacture or import or deal in indigenously manufactured tops, yarn and cloth/fabric or imported tops, yarn, cloth/fabric.

The violation of or non-compliance or partial compliance of the provisions and directions contained in the said notification shall amount to the violation/contravention/non-compliance of the relevant provisions and directions contained in the Essential Commodities Act, 1955, as the Textiles (Consumer Protection) Regulation, 1988, i.e., the said notification was issued by the Textile Commissioner, Government of India, in exercise of the powers conferred on him by clause-9 of the Textiles (Development & Regulation) Order, 1993, an Order issued under Section 3 of the Essential Commodities Act, 1955. Therefore, tops, yarn and fabric/cloth which do not contain the statutory markings specified in the said notification and the tops, yarn and fabric/cloth which contain partial/incomplete markings, defective markings, misleading markings, fake markings, spurious markings, incorrect markings, illegible markings and counterfeit goods/markings (i.e. contravened goods/offended goods) shall be seized atonce in terms of the provisions of Section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 and reported to the District Collector for confiscation of contravened goods/offended goods in terms of the provisions of Section 6A of the Essential Commodities Act, 1955.

Further, the sub-section 2(j) of Section 3 of the Essential Commodities Act, 1955, provides for any incidental and supplementary matters, including in particular, the entry into, search of or examination of premises, aircrafts, vessels, vehicles or other conveyances and animals, and the seizure by a person authorised to make such entry, search or examination -

- i) of any articles in respect of which such person has reason to believe that a contravention of the Order has been, is being, or is about to be, committed and any packages, coverings or receptacles in which such articles are found;
- ii) of any aircraft, vessel, vehicle or other conveyance or animals used in carrying articles, if such person has reason to believe that such aircraft, vessels, vehicle or other conveyance or an animal is liable to be forfeited under provisions of this Act;
- iii) of any books of accounts and documents which, in the opinion of such person, may be useful for or relevant to any proceeding under this Act, and the person from whose custody such books of accounts or documents are seized shall be entitled to make copies thereof or to take extracts therefrom in the presence of an officer having the custody of such books of accounts or documents.

Accordingly, the animal, vehicle, vessel or other conveyance used in carrying contravened/offended goods (tops, yarn, cloth/fabric) also shall be liable for seizure along with seizure of contravened/offended goods and reported to the District Collector for confiscation. In exercise of the powers conferred on the District Collector under Section 6A, the Collector may order for confiscation of;

- (a) the contravened/offended goods so seized;
- (b) any package, covering or receptacle in which such contravened/offended goods is found;
- and
- (c) any animal, vehicle, vessel, or other conveyance used in carrying such contravened/offended goods.

Further, in terms of Sections 7 and 10 of the Essential Commodities Act, 1955, the person and the Company including its Directors, Managers, Secretary or other officers of the Company are liable to be prosecuted for being guilty of above offence/contravention/violation.

Accordingly, as and when a prima-facie offence/contravention/violation of the said notification is detected by the office of the Textile Commissioner and/or its concerned Regional Office, the offended/contravened/violated goods (tops, yarn and cloth/fabric) and its carrier if any, so detected shall be seized under

Panchnama. Any other undertakings, documents, information as deemed necessary for further action shall also be obtained and/or directed to the concerned to produce the same within the reasonable time, and reported to the District Collector for confiscation of the contravened/offended goods and its carrier. Thereafter, a First Information Report under Section 154 of the Criminal Procedure Code (Cr.P.C.), 1973 read with Section 11 of the Essential Commodities Act, 1955 shall be filed before the appropriate Police Authority for prosecution of the offenders (mentioned herein above) or a direct prosecution against the offenders (mentioned herein above) shall be launched before the appropriate Court of Law, after giving an opportunity to the party of being heard.

The hearing of such party/parties shall be before the committee of officers called Textile Consumer Protection Committee constituted by the Textile Commissioner.

In order to monitor the compliance of the provisions and directions contained in the said notification by all concerned, the officials of the office of the Textile Commissioner and its Regional Offices are also drawing samples of tops, yarn, cloth/fabric at random, for testing the correctness of quality parameters and technical parameters declared on tops, yarn, cloth/fabric. If the test results are within the tolerance limit, the representative sample(s) sealed and kept under the safe custody of the unit, shop keeper, stockist, wholesaler,

semi-wholesaler, retailer, etc. as the case may be, shall be released. If any variation between declared and test results of quality parameters, technical parameters, etc. beyond the tolerance limit is noticed/detected, necessary action for prosecution of the offenders shall be initiated as per the legal provisions already mentioned in the foregoing paragraphs, after observing the following guidelines/instructions.

Where no prima-facie offence/violation/contravention is detected, only the sample(s) of tops, yarn, cloth, as the case may be, shall be drawn under panchnama and undertaking for the details of Nos. of sample(s) drawn, the total quantity and its approximate but reasonable market price/value of tops, yarn, cloth/fabric available in each lot, package, bale, roll, taka, bundle, etc. from which the representative sample(s) is/are drawn, on the day of inspection/visit (1st inspection) shall be obtained from the concerned person, unit, shop keeper, stockist, wholesaler, semi-wholesaler, retailer, etc. as the case may be. Any other undertakings, documents, information as deemed necessary for further course of action, shall also be obtained and/or directed to the concerned to produce the same within the reasonable time (say 10 days from the date of receipt of notice for production/furnishing of required information, documents, etc.). Thereafter, sample(s) drawn shall be sent to the designated laboratory (for which instructions have already been issued to the Regional Offices of the Textile Commissioner) for testing at an early date. On receipt of the

3343 G2/90-3

For the benefit of all consumers of tops, yarn and cloth/fabric including general public, the markings to be made on tops, yarn and cloth/fabric as prescribed under the said notification, are mentioned below:

I. MARKINGS TO BE MADE ON TOPS:

On paper label securely pasted on the outside of each package containing tops, the following markings shall be made:-

- a) Name and address of the manufacturer.
- b) The net weight in Kg.
- c) Mean fibre length (in mm)/Micron in case of wool tops.
- d) In case of blended tops, the words "Blended Tops" followed by exact percentage including standard moisture regain of each of the different types of fibre present in the tops packed, as illustrated below; :

| | | |
|-----------|-----|-----|
| Wool | - | 45% |
| Polyester | - | 40% |
| Viscose | - - | 15% |

II. MARKINGS TO BE MADE ON SPUN YARN

The following markings shall be made on spun yarn by the manufacturers, on paper label securely pasted or attached on the bundle/package of yarn meant for sale in India:-

- (a) Name and address of the manufacturer.
- (b) When spun from one fibre, the words "Cotton Yarn", "Polyester Spun Yarn", "Viscose Spun Yarn", etc. and in case of woollen yarn, "Woollen Worsted Yarn", "Woollen Semi-Worsted Yarn", "Woollen Shoddy Yarn", "Woollen Hand Knitting Yarn", etc. as the case may be.
- (c) When two or more fibres have been used in the manufacture of the yarn, the words "Blended Spun Yarn" followed by the generic name of each fibre and its exact percentage in the yarn, as illustrated below;

"Blended Spun Yarn"

Cotton - 60%

Polyester - 40%

or

Polyester - 40%

Cotton - 38%

Viscose - 22%

or

Wool - 45%

Polyester - 40%

Viscose - 15%

Provided that when the percentage of any fibre is less than 2% of the total fibre content in the yarn, the percentage of such fibre need not be stamped.

- (d) Count of yarn along with fold and plies wherever applicable.
- (e) C.S.P. value in case of cotton yarn and man-made fibre spun yarn.
- (f) Net weight in Kg..
- (g) Month and year of packing.

NOTE:

- (i) In case the yarn is spun from cotton or man-made fibre, count of yarn shall be indicated in English Count, and in case of Woollen yarn its counts shall be indicated in metric (N.m.) counts.
- (ii) In case of yarn on cones, the label containing the prescribed markings as above may be pasted inside the cone, and in case of yarn on beam, the label containing the markings may be securely fastened to the beam. In case of shoddy woollen yarn on cone, such label can also be pasted outside the cone.

III. MARKINGS TO BE MADE ON MAN-MADE CONTINUOUS (FILAMENT)

YARN:

The following markings shall be made on man-made continuous (filament) yarn by the manufacturer on paper label securely pasted or attached on the bundle/package of yarn meant for sale in India:-

- (a) Name and address of the manufacturer.
- (b) Net weight in Kg. of yarn in the package.
- (c) Denier of yarn with number of filaments and twists per metre preceded by the word "Filament Yarn" and its generic name, such as "Polyester", "Viscose", "Nylon", "Acrylic", etc. as the case may be, as illustrated below;

"Polyester Filament Yarn - 40/12/600".

NOTE: In case of man-made filament yarn on cones/cops, the net weight in Kg. as per item (b) above, may be marked only on each carton and not on each cone/cop.

IV. MARKINGS TO BE MADE ON CLOTH:

The following markings shall be made on the faceplait of each piece of non-controlled variety of cloth:-

- (a) Name and address of manufacturer and the person who causes such manufacture, if any.
- (b) Description of the cloth, for example "dhoti", "saree", "shirting", "sutting".
- (c) Sort number of the cloth.
- (d) Length in metres and width in "cm."

- (e) "Fast to normal washing" or "Not fast to normal washing" as the case may be, words "Preshrunk" or "Mercerised", or any other process actually carried out, as the case may be.
- (f) The words "Seconds" or "Damaged Piece/Defective Piece" when the piece of cloth is classified as "Seconds" or "Damaged Piece/Defective Piece", as the case may be.
- (g) In case of cloth made from man-made fibre or filament yarn, the words "Made From", followed by the words "Spun x Spun", or "Filament x Filament" or "Spun x Filament", as the case may be.
- (h) Month and year of packing.
- (i) The exact composition of the cloth expressed in percentage by weight of each of the individual constituents to the total yarn content of both warp and weft put together, as illustrated below;

| | | |
|--------------|---|------|
| 1) Polyester | - | 100% |
| or | | |
| Cotton | - | 100% |
| or | | |
| Viscose | - | 100% |

- 2) In the case of blended cloth, the words "Blended Fabric", followed by the generic name of each constituent and its exact percentage by weight in the descending order shall be stamped, as illustrated below;

"Blended Fabric"

Polyester - 40%

Cotton - 38%

Viscose - 22%

or

Cotton - 60%

Polyester - 40%

or

Wool - 40%

Polyester - 38%

Viscose - 22%

NOTE:

- (i) In case of shoddy woollen blankets, minimum content of wool shall be stamped.
- (ii) When the percentage of any fibre is less than 2% of the total fibre content in the blended fabric, the percentage of such fibre need not be stamped.
- (iii) The markings as in items (f) and (i) above shall also be made on every alternate metre of the cloth at a height not exceeding 2.5 cm from the selvedge.

V. In the case of embroidered cloth (i.e. cloth decorated with designs formed by extra threads with the help of needles), meshcloth, **towels**, furnishing fabrics, tapestry cloth, jacquard cloth, corduroy cloth, woollen suit piece length, handkerchief, raised blanket, bed sheet and lint cloth, the markings prescribed under this notification may be made either on the face plait of such cloth or on a piece of cloth or paper securely stitched or stuck on the face plait of such cloth.

VI. MARKINGS TO BE MADE ON BALES OR OTHER PACKAGES:

The following markings shall be made on every bale, wooden case or other package of cloth or yarn in the manner detailed hereinafter;

- (a) Name of the manufacturer.
- (b) Month and year of packing.
- (c) The word "Grey" or "Bleached" or "Coloured" correctly describing the entire contents of such bale, case or package under one or the other of these descriptions.

NOTE:

For the purpose of such markings "Grey" cloth and "Bleached" cloth mean, respectively grey and bleached cloth of every description, including sarees, dhoties or other cloth with coloured borders or headings only; and coloured cloth means piece-dyed cloth,

printed cloth and cloth made wholly or partly from dyed yarn and excludes grey or bleached sarees, towels or other cloth with coloured borders or heading only.

(d) "Chindies", "Rags", "Fents", "Seconds" or "Damaged Pieces/Defective Pieces" as the case may be.

(e) When a bale or package contains yarn;

- i) Name of the manufacturer :
- ii) Counts of yarn :
- iii) The month and year of packing :
- iv) Gross weight in Kg. :

Further, as per the provisions and directions contained in the said notification no person shall offer or store for sale tops, yarn, cloth/fabric with fake/misleading markings or without statutory markings or in violation of the said notification.

B.C. KHATUA, Textile Commissioner

